



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Appo. & Horticulture	420	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADEH

सदर क्रमांक

अंकों में

शब्दों में

BOARD OF SEC

सदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः

आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्राध्यक्ष

केन्द्र क्र. 471005

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होले क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

केवल परीक्षक द्वारा भरा

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तियों

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

de/mol.

191 X mm 47 X 113 mm X 16

2



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 2 के अंक

=



अंश अंक



प्रश्न क्र.

प्र० 1

301

सही - विकल्प

(i) अक्षरबेल ।

(ii) धूमक

(iii) पपीता ।

B
S
E

सफेद मूसली ।

10^2 गण्टर चैन ।

प्र० 2

302

रिवत स्थान पूर्ति

(i) ज्वेल ठटन मशरूम (एगर्स)

(ii) विश्वानिमा सोमनीफिरा ।

3

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

अंक + 5 क अंक = कुल अंक



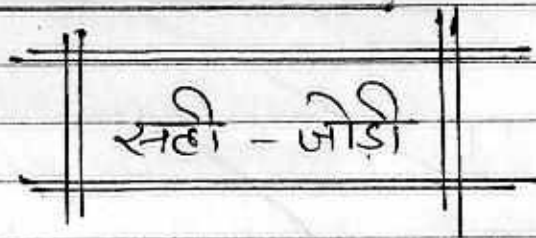
प्रश्न क्र.

(iii) मैसूर (कनकपुर)

(iv) 1913

100 feet

B
S
03
03



'अ'

'ब'

(i) वंद्यता मोजेक

-

अरहर

(ii) चिपचिपे ट्रेप

-

आम

(iii) मशरूम

-

माइसेलियम

4

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

'अ'

'ब'

(iv) बायो ईंधन

जेटोला

(v) ~~...~~

लेमन वास

504
304
B
S
E

सत्य / असत्य

(i) असत्य |

(ii) सत्य |

(iii) सत्य |

सत्य |

असत्य |

5



क्र.
05
05

संबंधित तथा रोग्य स्वरपतवार

(1) संबंधित स्वरपतवार :- किसी मुख्य फसल में अनचाहे दूसरी फसल के पौधों का उगाना संबंधित स्वरपतवार कहलाता है।

उदाहरण :- गेहूँ की फसल में जौ, सरसो, आदि का उगाना संबंधित स्वरपतवार का उदाहरण है।

(2) रोग्य स्वरपतवार :- (सिक्की/उत्तम) किसी फसल की एक जाति (Variety) में उसी फसल की दूसरी जाति का उगाना रोग्य स्वरपतवार कहलाता है।

उदाहरण :- गेहूँ की PM-117 Variety में गेहूँ की Lok-1 Variety का उगाना, रोग्य स्वरपतवार का उदाहरण है।

P.T.O.

6



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 6 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

५०६

८०६

सुखाना तथा निर्जलीकरण में अन्तर

क्र.	सुखाना (Drying)	निर्जलीकरण (dehydration)
1.	धूप में रखकर नमी को मात्रा को हटाना, सुखाना कहलाता है।	नियन्त्रित अवस्था में कृत्रिम रूप से गर्मी देकर सुखाना, निर्जलीकरण कहलाता है।
2.	इस विधि में धूल-मिट्टी मिल जाने से स्वच्छता नहीं रहती है।	इस विधि में स्वच्छता रहती है। किसी प्रकार की धूल-मिट्टी नहीं मिलाती है।
3.	इस विधि में मशीन की आवश्यकता नहीं रहती है।	मशीन का आवश्यकता रहती है।
4.	इस विधि में अधिक समय लगता है।	इस विधि में कम समय लगता है।

B
S
E

7

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 7 के अंक

=

पुस्तक पृष्ठ



प्रश्न क्र.

पृष्ठ

उत्तर

"OR"

किसान बैंक साख पत्र तथा फसल ऋण योजना

किसान साख पत्र (K.C.C.)

किसान बैंक साख पत्र से आशय है कि किसानों को ऋण लेने के लिए एक पत्र (चक) बनाया जाता है। जिसके माध्यम से किसान बैंकों से ऋण प्राप्त कर सके।

K.C.C. में जीरो ब्याज पर किसानों की साख के अनुसार ऋण स्वीकृत किया जाता है जिसे जमा करने की अवधि 12 माह की होती है।

K.C.C. योजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने सन् 1998-1999 में चलाई थी। जो आज भी सुचारु रूप से चल रही है।

फसल ऋण योजना :-

किसानों को अपनी फसलों पर ऊपर दिये जाने वाले ऋण को फसल ऋण कहते हैं तथा इसके ऊपर चलाई गई योजना को फसल ऋण योजना कहते हैं।

फसल ऋण योजना के अन्तर्गत किसानों को अल्पकालीन ऋण (15 माह तक) दिया जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

५०८

३०८.

पादप पोषक तत्वों की अनिवार्यता
की तीन कसौटी

पेड़-पाँधों में उपस्थित तत्व उनकी वृद्धि व विकास के लिये आवश्यक हैं या नहीं, इसका निर्धारण करने के लिए दो वैज्ञानिक अर्नार्न और स्ट्राउड ने सन् 1929 में पाँधों की तत्वों की अनिवार्यता के आधक पर निम्न तीन कसौटी (नियन) दिए :-

B
S
E

(1) पाँधों की उत्पन्न रूप से वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक होना चाहिए। इनकी कमी से ये क्रियाएँ रुक जानी चाहिए।

(2) पाँधों द्वारा उत्पन्न रूप से उपापचयी क्रियाओं में भाग लेना चाहिए।

(3) कोई तत्व किसी अन्य तत्व द्वारा प्रतिस्थापित (Replace) नहीं किया जाना चाहिए। अर्थात् कोई विशिष्ट कार्य उसके द्वारा किया जाना चाहिए।

उदाहरण के लिए मैग्नीशियम क्लोरोफिल का घटक है तथा यह प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में भाग लेता है। इसकी कमी से यह रुक गया रुक जाती है।

P.T.O.

9

योग पूर्व पृष्ठ

+

=

कुल अंक



~~हरी खाद तथा उसके लाभ~~

~~हरी खाद (Green manure)~~

~~ए मुख्य रूप से यलहनी फसल जैसे -
सनई, ढूँचा आदि की फूलवाली अवस्था~~

~~(Flowering Stage) में मिट्टी पलट हल द्वारा उसी स्थान पर फेंका दिया जाता है और सड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस तरह खेत को प्राप्त खाद को हरी खाद कहते हैं।~~

~~* हरी खाद के रूप में प्रयुक्त होने वाली फसले :-~~

~~(1) सनई (Crotalaria juncea)~~

~~(2) ढूँचा (Sesbania aculeata)~~

~~* हरी खाद के लाभ *~~

~~(1) मृदा की ऊपरी सतह पर पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है।~~

~~(2) मृदा में जीवाणु पदार्थों की वृद्धि होती है तथा वायु संचार भी अच्छा हो जाती है।~~

~~मध्यम व्यय में पर्याप्त मात्रा में खाद प्राप्त हो जाती है।~~

10

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 10 के अंक

=

योग अंक



प्रश्न क्र.

(4) मृदा में जल धारण क्षमता (Water holding capacity) का विकास होता है

(5) हरी खाद की फसलों की जड़ें गहरी लेने के कारण मृदा को अधिक खुला बनाती हैं

पृ 010
उ 010
B
S
E

ठरियाली के लिये उत्तम "OR" धास, वा. नाम, कुल तथा बीज दर

(1) उत्तम धास :-

(1) दूब धास :-

(2) जापानी धास (कोरियन धास)

(1) दूब धास का वानस्पतिक नाम :- *Cynodon dactylon*

(2) साइनेजोन डेक्टायलोन

दूब धास का बीज दर :- 12-15 kg/hec

दूब धास का कुल (Family) ग्रैमिनी / पोएसी ।

11

+

=

पाप पूव पृष्ठ

2 - 11 क अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्र०॥

उ०॥

जलनिकास की परिभाषा व
तीन प्रणालियाँ

जलनिकास :-

“ फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए भूमि की सतह अथवा अधोसतह से अनावश्यक जल की मात्रा को कृत्रिम रूप से बाहर निकालना, जलनिकास कहलाता है।”

जल निकास की प्रमुख तीन प्रणालियाँ

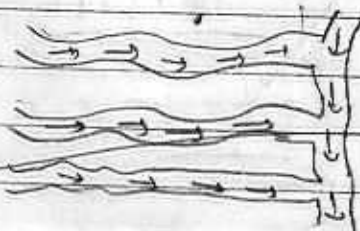
(1) प्राकृतिक प्रणाली (Natural System)

(2) हॉरिंग बोन प्रणाली (Haring bone System)

(3) गिरीडिरोन प्रणाली (Gridiron System)

(1) प्राकृतिक प्रणाली :- (Natural System)

जल निकास की इस प्रणाली में जल-निकास नालियाँ प्राकृतिक ढाल के अनुसार अपनी दिशा बदलती रहती हैं। अतः में मुख्य जल-निकास नाली में मिलकर निचली नाले या तालाब में पानी छोड़ती हैं।



→ प्राकृतिक प्रणाली

B
S
E



प्रश्न क्र.

(2) हेरिंग बोन प्रणाली (Herring bone System)

इस प्रणाली में मुख्य जलनिकास नाली खेत के मध्य में रहती है और सहायक नालियाँ उसमें मिल जाती हैं।

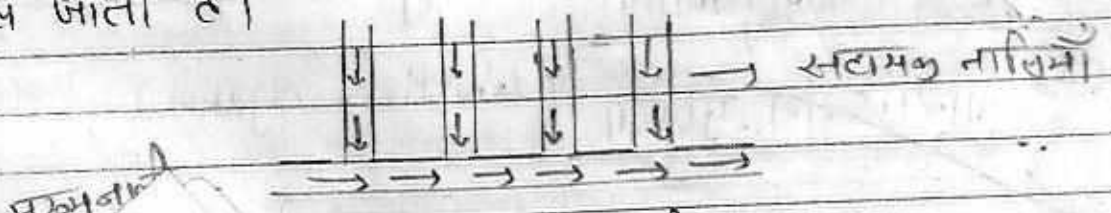


हेरिंग बोन प्रणाली

B
S
E

(3) गिरीडरोन प्रणाली (Gridiron System)

इस प्रणाली में मुख्य नाली खेत के उस सिरे पर खोदी जाती है जिसका धरातल नीचे नीचा हो और सहायक नालियाँ उसमें आकर मिल जाती हैं।



मुख्य नाली

गिरीडरोन प्रणाली

P.T.O.

1



"OR"

सोयाबीन, मूंग, क्लोवर तथा धान
के कल्चर का नाम व बैक्टेरिया

सोयाबीन, मूंग, क्लोवर तथा धान के लिए कल्चर
तथा उसमें उपस्थित बैक्टेरिया

क्र.	फसल का नाम	कल्चर का नाम	उसमें उपस्थित जीवाणु
1.	सोयाबीन	रोइजोबियम कल्चर	रोइजोबियम जीवाणु <u>क्रिस्म :- जेपोनिकम</u>
2.	मूंग	रोइजोबियम कल्चर	रोइजोबियम जीवाणु <u>क्रिस्म :- मेलीलोटी</u>
3.	क्लोवर	ऐजोटोबैक्टर का कल्चर	<u>ऐजोटोबैक्टर क्रोकाकम</u>
4.	धान	रोइजोबियम कल्चर	रोइजोबियम जीवाणु

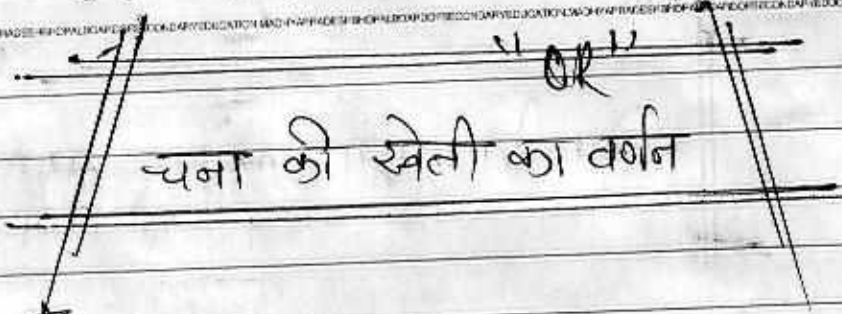
P.T.O.



प्रश्न क्र.

५०१३

३०१३



(1) चना
 वानस्पतिक नाम :- साइसर एरिटिनम

(2) कुल (Family)
लेग्युमिनेसी

B
S
E

(3) गुणसुत्र संख्या :-
 (1) देशी चना - 16
 (2) काबुली - 6

(4) उत्पात्त स्थान :- दक्षिण पश्चिम एशिया (अफगानिस्तान)

(5) बीज दर :- 75-100 kg/hec.

60-80 kg/hec वारिक चना के लिये।

P.T.O.



प्रश्न क्र.

(6) प्रमुख किस्में :-

(1) अवरोधी (2) राधे

(3) गौरव (4) अजय (5) विजय

(6) अतुल (7) विस्नार

(7) उपज :- 25-30 किन्टल / हेक्टेयर

रोग :- P.T.O.

(8.1) गन्ने का लाल सड़न (Red spot of Sugarcane)

रोग है जो कोलीटोट्राइकम फालिकेटम नामक कवक से होता है यह गन्ने का एक भयंकर

इस रोग में गन्ने की पत्तियों की मध्य नाड़ी लाल हो जाती है साथ गन्ने का तने को बीज में से चिरने पर लाल छ धारियों दिखाई देती हैं

रोकथाम के उपाय :-

- (1) रोगग्रस्त पौधे को नष्ट कर देना चाहिए
- (2) रोग प्रतिरोधी किस्म



प्रश्न क्र.

चना का प्रमुख रोग :-

(1) उकबा (Wilt disease) :- चने का उकबा रोग फ्युरेजियम नामक कवक से होता है इस रोग में पौधा सूख जाता है तथा पौधा पीली पड़कर सुख जाता है।

रोकथाम :- (1) रोग प्रतिरोधी किस्में उगाना चाहिए।

B
S
E

(2) कवकनाशियों जैसे एग्रेसिन D.N., थैराम, कैप्टान आदि से बीजों को उपचारित करना चाहिए।

(2) चूर्णिल आसिता (Powdery mildew) :- यह रोग

एरिथरिली नामक कवक से होता है। इस रोग में पौधों की पत्तियों पर चूर्ण से बना जाता है। इस पौधा सुखने लगता है।

रोकथाम :- (1) रोगग्रस्त पौधों को जल्द कर देना चाहिए।

(2) कवकनाशियों से उपचारित करना चाहिए।

चने के प्रमुख कीट :- (1) चना फली वेधक (Gram pod borer)

(2) तना वेधक (Stem borer) आदि।



प्रश्न क्र.
प्र०५
उ०५

लैंगिक प्रसारण की परिभाषा व तीन लाभ

लैंगिक प्रसारण या बीज प्रसारण :-

नए पौधे का निर्माण करना, ^{ए बीजों के द्वारा} लैंगिक या बीज प्रसारण कहलाता है।
लैंगिक प्रसारण में पौधे के जनन अंग

Androecium (नर जनन अंग) व Gynoecium (मादा जनन अंग)

के द्वारा परागण व निवेशन (fertilization) की क्रिया होती है और बीजों का निर्माण होता है। अतः बीजों के द्वारा नए पौधे का निर्माण करना, लैंगिक या बीज प्रसारण कहलाता है।

लैंगिक प्रसारण के लाभ :-

- (1) इस विधि से बड़े व मोटे (मजबूत) पौधे प्राप्त हैं। जिनका जीवन काल लम्बा होता है।
- (2) यह इस विधि द्वारा तैयार पौधे पर अधिक संख्या में फल लगते हैं तथा अधिक समय तक उत्पादन करते हैं।
- (3) जिन पौधों में वानस्पतिक प्रसारण नहीं होता

B
S
E



प्रश्न क्र.

उन पाँचों में इस विधि द्वारा आसानी से प्रसारण कसया जा सकता है।

(4) इस विधि द्वारा नए किस्म के पाँचे तैयार किए जा सकते हैं।

(5) दूरस्थ स्थानों पर लाने - लेजाने में सुविधा रहती है।

(6) इस विधि से पाँचों को तैयार करने में कम श्रम और अधिक लाभ नबी करना पड़ता है।

उ विधि से कम समय में पाँचों प्राप्त हो सते हैं।

B
S
E

"OR"

कैला की खेती का वर्णन

पु 014
उ 014

कैला (Banana)

(a) वैज्ञानिक नाम :- मूसा पैराडिसिका Musa para-
disiaca

(b) कुल (Family) :- म्यूसेसी

(c) गुणसूत्रसंख्या :- 22, 33, 44

1.70



(4) उत्पत्ति स्थान :-

दक्षिण पूर्वी एशिया (इण्डो-चायना)

(5) पुरस्कार (Prize)

कैले में केवल वानस्पतिक पुरस्कार होता है।

तलवार नुमा सकर्स (Sword)

कैले के जड़े से तलवार नुमा सकर्स निकलते हैं। इन तलवार नुमा सकर्स द्वारा जल पाँधा का निर्माण किया जाता है।

लगभग 750 ग्राम के तलवार नुमा सकर्स का पुरस्कार के लिए उपयोग किया जाता है। तीन से चार माह पुराना

(6) पाँधों की संख्या / टेब्लेयर :-

80 से 100 वृक्ष / टेब्लेयर।

(क) प्रमुख रोग :-

(1) पनामा विल्ट :-

कैला का यह रोग कवकजनित होता है इसमें पाँधों की पत्तियाँ पाली पड़ जाती हैं और पाँधा धीरे-धीरे सुखाने लगता है।

(2) बन्ची टॉप :-

कैला में यह रोग विषाणु जनित होता है इस रोग में पाँधा का ऊपरी हिस्सा गोल हो जाता है।



प्रश्न क्र.

रोकथाम :- (1) कले के इन रोगों की रोकथाम के लिए तिरोधी किस्म लगाना चाहिए।

प्रस्त पौधों को नष्ट कर देने चाहिए।

पृ 016
उ 016
B
S
E

सोयाबीन की खेती

* Soyabean *

(1) वानस्पतिक नाम :- ग्लाइसीन मैक्स

(2) कुल family :- लेग्युमिनेसी

(3) गुणसूत्र संख्या :- 40

(4) उत्पत्ति स्थान :- पूर्वी एशिया (चीन)

(5) उन्नत किस्म :- बैंग, शीलाजीत, दूमि, गौरव, 15905, 159560



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय

विषय कोड

परीक्षा का माध्यम

परीक्षा का दिनांक

28 03 2019

Coor Pu. Student 4 : 2 : 0 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल.

BOARD OF SEC... MAADHYANIK... PRADESH BHOPAL

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

X	2	9	4	7	2	5	3	1	5
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

X	Two	Nine	Four	Seven	Two	Five	Three	One	Five
---	-----	------	------	-------	-----	------	-------	-----	------

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

28 03 2019

परीक्षा का नाम एवं हस्ताक्षर

उपनिर्देशक / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

B. G. Rawat

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक..... तक कुल

(6) बीज दर / टेबटेयर :- 75-100 Kg/hect. पाली सोयाबीन
60-80 kg/hect. काली सोयाबीन

(7) खाद एवं उर्वरक :-
सोयाबीन में प्रयोग किए जाने वाले खाद व उर्वरक में N.P.K Ratio निम्न लेना चाहिए

(1) 15-20kg नाइट्रोजन / 60kg फॉस्फोरस / 30-40kg पोटाश
(जब राइजोबियम कल्चर उपयोग किया जाए)

(2) 120-130 kg नाइट्रोजन / 60 kg फॉस्फोरस / 30-40kg पोटाश
(जब कल्चर उपयोग न किया जाए)

P.F.O.

पृष्ठ के अंकों का योग



(8) प्रमुख कीट :- (क) गडिल बीटल :- इस कीट की कटरपिलर पत्तियों को खाती है। इसकी रोकथाम के लिए डिजिटल या मैलाथ्रियान 40 EC का छिड़काव करना चाहिए।

(ख) उपज :- 30-35 किन्टल/हेक्टेर।

मुख्य रोग :- (क) पीला बीजेक :- इस रोग में पौधों की पत्तियाँ पीला व कुरूप हो जाती हैं। यह एक विषाक्त रोग है।

उपशान :- 0.5% मैलाथ्रियान + 1000 लीटर पानी मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

"OR"

घ017
उ017

(क) आंवला का वानस्पतिक नाम :- एम.ओ.बी. आफीसिनेबिस।

(ख) आंवला का कुल :- युफोरबिएसी।



प्रश्न क्र.

(b) आमरण में बहार :-

आमरण की फसल में तीन बार फूल आते हैं अर्थात् आमरण से तीन फसलें प्राप्त की जाती सकती हैं। इसे आमरण की बहार कहते हैं। आमरण की तीन बहार निम्न हैं :-

(1) अम्बे बहार (बसन्त कालीन) :-

इस बहार से अच्छे किस्म के फल प्राप्त नहीं होते। इस लिए इस बहार को नहीं लिया जाता है।

(2) म्रिग बहार (वर्षा ऋतु) :-

इस बहार उत्तम किस्म के फल प्राप्त होता है। फल स्वादिष्ट व बड़े होते हैं। इस लिए इस बहार को लिया जाता है।

(3) हस्त बहार :-

(शरद कालीन) इस बहार से भी निम्न किस्म के फल प्राप्त होते हैं इसलिए इसे नहीं लिया जाता है।

(4) नींबू का वानस्पतिक नाम :- सिट्रस ऑरेन्गीफोलिया

(5) नींबू का कुल :- रूटेसी

(6) नींबू में गुणसूत्र संख्या :- 18



(d) सरकार :-

यह शिमला की एक दुर्लभ किस्म है जो (लखनऊ-49) के नाम से भी जानी जाती है।

(e) अंतरासस्य :-

किसी मुख्य फसल अन्य फसल को खरप में बोया जाता है, उन्हें अंतरासस्य फसल है।

जैसे आंवला में बैंगन, मिर्च, आलु आदि को असस्य फसल के खरप में बोया जाता है।

जैली तैयार करने की विधि

(a) फल एवं फलों का चयन :-

जैली बनाने के लिए ऐसे फलों को चुना जाता है जो पेक्टिन युक्त हैं। फल ताजे व अधपके होने चाहिए क्योंकि ताजे व अधपके फलों में पेक्टिन व कमल अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

(b) जैलमीटर द्वारा पेक्टिन परीक्षण :-

पेक्टिन का परीक्षण करने के लिए जैलमीटर का उपयोग किया जाता है। जैलमीटर के दोनो सिरे खुले



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल

परीक्षा का विषय : Coop. Pro. & Math.
 परीक्षार्थी द्वारा भरा जाने वाला दिनांक : 4.2.0
 परीक्षा का माध्यम : हिन्दी
 परीक्षा का दिनांक : 28.03.2016
 स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगाये

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाने वाला

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक : **119- 2378750**

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर : **X 2 9 4 7 2 5 3 1 5**

शब्दों में : **ए वी जी एच सात वी प्रथम एक पांच**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केंद्र क्रमांक की मुद्रा : **ग्राम सेकेंडरी परीक्षा**

परिष्कारक का नाम एवं हस्ताक्षर : **B. L. Rawat**

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर : **Ra**

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक तक कुल प्राप्त करें

**B
S
E**

होते हैं जिसमें एक सिरे मोटा होता है और दूसरा सिर बिल्कुल ठीक छिद्र के खब में रहता है। जो रस के जलमीटर के चौड़े वाली सिर में डाल जाता है लम्बा नीचे के सिर में डाला जाता है फिर जलमीटर में रस का बहाव देखा जाता है यदि रस तेजी से निकलता है तो पेक्टिन की कम मात्रा होती है और अगर रस बिल्कुल धीरे-2 निकलता है तो पेक्टिन की मात्रा अधिक है।

(c) रिफ्रेक्टोमीटर द्वारा जैली की पहचान :- जब पकाती हुई को रिफ्रेक्टोमीटर द्वारा रीडिंग 68 से 70 ° Brix तक ले समझना चाहिए कि जैली बनकर तैयार हो चुकी है।

P.T.O.

पृष्ठ के अग्र

प्रश्न क्र.

(d) जैली का रोना (Weeping jelly)

जब जैली में पेट्रिग की मात्रा कम हो जाती है और अम्ल का मात्रा अधिक होती तो इस प्रकार के जैली को 'जैली का रोना' कहते

जैली का रोना पर जैली अच्छे से नहीं जम पाती अर्थात् यह अच्छी जैली की विशेषता नहीं है।

B(e) जैली की मुख्य एक विशेषताएँ:-**S**

(1) जैली पारफरिन होनी चाहिए।

E

(2) ठिलाने पर कौपली रहनी चाहिए।

(3) जिस बर्तन में जमाये उसी का आकार प्रम. ग्रहण कर ले।

(4) चाकू से काटने पर चाकू में चिपकना नहीं चाहिए।

(5) जैली बनाने पर उसकी सुगंध व स्वाद होना

बनाने पर उसकी सुगंध व स्वाद